



दैनिक जागरण



दैनिक भास्कर



जनसत्ता

*Party*

# CURRENT AFFAIRS

## IAS/PCS

अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान

18 January



# Quote of the Day



जिंदगी में कामयाबी हाथों  
की लकीरो से नहीं,  
मेहनत के पसीने से  
मिलती है



# फीफा विश्वकप के नाम पर 30 लाख कुत्तों की हत्या करेगा मोरक्को





# फीफा विश्वकप के नाम पर 30 लाख कुत्तों की हत्या करेगा मोरक्को

- ▶ मोरक्को ने 2030 फीफा विश्व कप की सह-मेजबानी से पहले अपने शहरों को साफ-सुथरा दिखाने के उद्देश्य से लगभग 30 लाख आवारा कुत्तों को मारने की योजना बनाई है।
- ▶ इस निर्णय के तहत, कुत्तों को ज़हर देकर या गोली मारकर मारा जा रहा है, जो अंतर्राष्ट्रीय पशु अधिकार संगठनों और कार्यकर्ताओं की कड़ी आलोचना का कारण बना है।





# फीफा विश्वकप के नाम पर 30 लाख कुत्तों की हत्या करेगा मोरक्को

- ▶ प्रसिद्ध पशु अधिकार कार्यकर्ता जेन गुडॉल ने फीफा के महासचिव को पत्र लिखकर इस क्रूर अभियान पर चिंता व्यक्त की है और फीफा से हस्तक्षेप करने की अपील की है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि फुटबॉल प्रेमी, जो जानवरों से भी प्रेम करते हैं, इस तरह की बर्बरता से आहत होंगे।



# फीफा विश्वकप के नाम पर 30 लाख कुत्तों की हत्या करेगा मोरक्को

- ▶ मोरक्को के अधिकारियों का दावा है कि यह अभियान अगस्त 2024 में समाप्त हो गया था, लेकिन रिपोर्टों के अनुसार, मेजबानी की घोषणा के बाद से कुत्तों की हत्याओं में वृद्धि हुई है।
- ▶ पशु अधिकार संगठनों ने इस क्रूरता को रोकने और मानवीय विकल्प अपनाने की मांग की है।

# फ़ेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फ़ीफ़ा)

- फ़ीफ़ा, फुटबॉल यानी सॉकर की दुनिया की शासी संस्था है।
- फ़ीफ़ा की स्थापना साल 1904 में पेरिस में हुई थी। ✓
- फ़ीफ़ा का मुख्यालय ज्यूरिख में है।
- फ़ीफ़ा, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को नियंत्रित करता है और फुटबॉल विश्व कप का आयोजन करता है।

ज्यूरिख



FIFA

the Good of the G



# फ़ेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फ़ीफ़ा)

- फ़ीफ़ा, फुटसल और समुद्र तटीय फुटबॉल जैसे सहायक खेलों को भी मान्यता देता है।
- फ़ीफ़ा वर्ल्ड कप की ट्रॉफी 18 कैरेट सोने से बनी होती है और इसका वज़न 6 किलो से ज़्यादा होता है।

18 कैरेट



FIFA

the Good of the G



# फीफा विश्व कप 2030

- 2030 विश्व कप इसलिए खास है क्योंकि 2030 में फीफा विश्व कप को 100 वर्ष पूरे हो जायेंगे। यह पहली बार हो रहा है कि दो महाद्वीपों के तीन देश प्रतियोगिता की मेजबानी करेंगे।
- इसमें मोरक्को, पुर्तगाल और स्पेन मेजबान देश होंगे। इसके अतिरिक्त, अर्जेंटीना, पैराग्वे और उरुग्वे फीफा विश्व कप की 100वीं वर्षगांठ मनाएंगे।



# मोरक्को के बारे में

- मोरक्को, उत्तर अफ़्रीका का एक देश है. इसकी राजधानी रबात है.
- मोरक्को की आधिकारिक भाषा अरबी है और मुद्रा मोरक्कन दिरहम है.
- मोरक्को के दो मुख्य जातीय समूह बर्बर और अरब हैं.
- मोरक्को में पेड़ों पर चढ़ने वाली बकरियां पाई जाती हैं.
- मोरक्को में दुनिया का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है.
- मोरक्को में ऐतिहासिक इमारतें, गार्डन, और बाज़ार हैं.



# मोरक्को के बारे में

- मोरक्को में कई मशहूर फ़्रांसीसी लोग रहते हैं।
- मोरक्को के पारंपरिक बाज़ारों को स्थानीय भाषा में सूक कहते हैं।
- मोरक्को की संस्कृति और सभ्यता पर अरब का काफ़ी प्रभाव पड़ा है।
- मोरक्को में अरब आबादी की शुरुआत 7वीं शताब्दी में हुई थी।



# मोरक्को के बारे में

- मोरक्को के बर्बर लोग उत्तर-पश्चिमी अफ्रीका के मूल निवासी हैं।
  - मोरक्को की अर्थव्यवस्था के प्रमुख संसाधन कृषि फॉस्फेट खनिज और पर्यटन हैं
- फॉस्फेट का खनिज कृषि
- मोरक्को के फेज़ शहर में स्थित अल-करवियिन विश्वविद्यालय, दुनिया का सबसे पुराना लगातार संचालित विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना 859 ईस्वी में फ़ातिमा अल-फ़िहरी ने की थी। यह विश्वविद्यालय यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल है।



# अल-करविगिन विश्वविद्यालय से जुड़ी कुछ खास बातें:

- यह विश्वविद्यालय इस्लामी विद्वत्ता और शिक्षा का एक अहम केंद्र है.
- यहां इस्लामी अध्ययन, गणित, खगोल विज्ञान, और चिकित्सा जैसे विषयों की पढ़ाई होती है.
- यह विश्वविद्यालय इस्लामी संस्कृति और ज्ञान के प्रसार में अहम भूमिका निभाता रहा है.
- इसकी स्थापना एक मस्जिद के रूप में हुई थी और बाद में यह शिक्षा का केंद्र बना.



# अल-करविगिन विश्वविद्यालय से जुड़ी कुछ खास बातें:

- यह विश्वविद्यालय इस्लामी स्वर्ण युग के प्रमुख आध्यात्मिक और शैक्षिक केंद्रों में से एक था.
- यह विश्वविद्यालय इस्लामी, धार्मिक, और कानूनी विज्ञान में डिग्री देता है.



# CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

1. मोरक्को ने 2030 फीफा विश्व कप की सह-मेजबानी से पहले आवारा कुत्तों को मारने की योजना बनाई है।
2. मोरक्को में दुनिया का सबसे पुराना विश्वविद्यालय अल-करवियिन विश्वविद्यालय है, जिसकी स्थापना 859 ईस्वी में हुई थी। ✓
3. फीफा विश्व कप 2030 की मेजबानी मोरक्को, पुर्तगाल और स्पेन करेंगे, और इसके साथ ही अर्जेंटीना, पैराग्वे और उरुग्वे भी इस आयोजन में शामिल होंगे। ✓✓

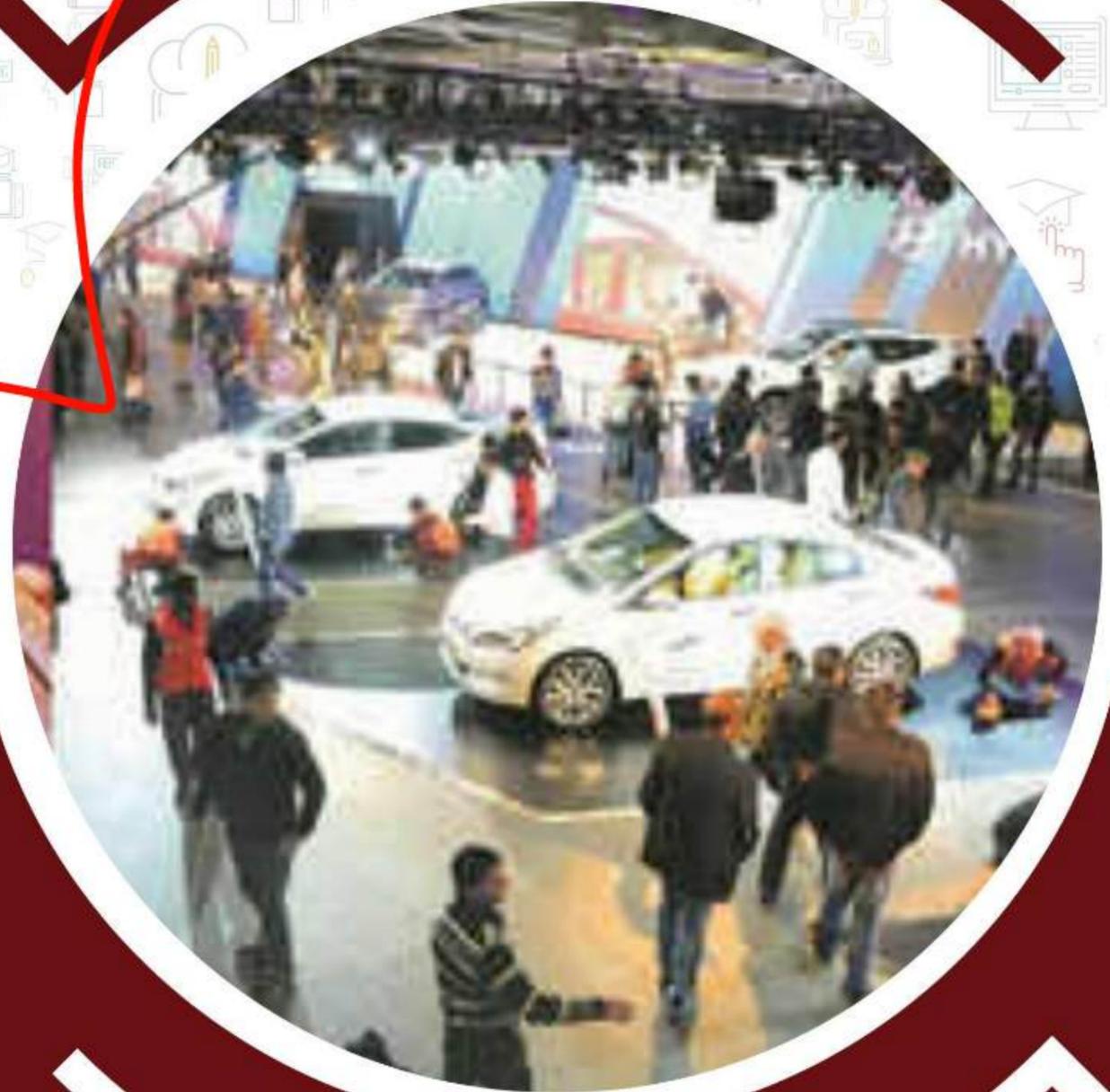
कूट:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3 ✓✓



# 17 जनवरी को भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का उद्घाटन

ऑनोमोवाहल





- ▶ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जनवरी 2025 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025' का उद्घाटन किया।
- ▶ यह एक्सपो 17 से 22 जनवरी 2025 तक तीन स्थानों—भारत मंडपम (नई दिल्ली), यशोभूमि (द्वारका), और इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट (ग्रेटर नोएडा)—में आयोजित किया जा रहा है।





- ▶ इस आयोजन में ऑटोमोबाइल, कंपोनेंट उत्पादों और तकनीक में 100 से अधिक नए लॉन्च की उम्मीद है। उद्घाटन के अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, हरदीप सिंह पुरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

*नए लॉन्च*



- ▶ केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि यह एक्सपो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑटोमोटिव एक्सपो बन गया है, जो मोबिलिटी इकोसिस्टम की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को एक ही स्थान पर लाता है।
- ▶ उन्होंने यह भी कहा कि अगले साल तक यह एक्सपो दुनिया का सबसे बड़ा ऑटो शो बन जाएगा और ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन के रूप में उभरेगा।



- ▶ इस एक्सपो में 9 से अधिक समवर्ती शो, 20 से अधिक सम्मेलन और पवेलियन आयोजित किए जाएंगे, साथ ही विभिन्न राज्यों के विशेष सत्रों में मोबिलिटी क्षेत्र में उनकी नीतियों और योजनाओं को पेश किया जाएगा।
- ▶ यह आयोजन वैश्विक महत्व पर केंद्रित रहेगा, जिसमें दुनियाभर से प्रदर्शक और आगंतुक शामिल होंगे।



- ▶ प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन के दौरान रतन टाटा और ओसामु सुजुकी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी विरासत मोबिलिटी क्षेत्र को प्रेरित करेगी।
- ▶ इस एक्सपो का उद्देश्य ऑटोमोबाइल निर्माताओं, कंपोनेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स पार्ट्स, टायर और ऊर्जा भंडारण निर्माताओं, ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर फर्मों और मटेरियल रीसाइकिलर्स सहित मोबिलिटी इकोसिस्टम की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को एक ही छत के नीचे लाना है।

# भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग से जुड़े कुछ रोचक तथ्य:

- भारत में ऑटोमोबाइल उद्योग, उत्पादन और मूल्यांकन के मामले में दुनिया का चौथा सबसे बड़ा उद्योग है.
- भारत में ऑटोमोबाइल उद्योग, बिक्री के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाज़ार है.
- भारत में ऑटोमोबाइल उद्योग में यात्री वाहन, वाणिज्यिक वाहन, तिपहिया, दोपहिया, और क्वाड्रिसाइकिल शामिल हैं.



# भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग से जुड़े कुछ रोचक तथ्य:

- भारत में ऑटोमोबाइल उद्योग में प्रमुख कंपनियां हैं- मारुति सुजुकी, हुंडई मोटर इंडिया, टाटा मोटर्स, अशोक लीलैंड, महिंद्रा एंड महिंद्रा, और फ़ोर्स मोटर्स.
- भारत में ऑटोमोबाइल उद्योग के प्रमुख क्लस्टर हैं- जमशेदपुर, पुणे, चेन्नई, गुरुग्राम, फ़रीदाबाद, और पीथमपुर.
- भारत में ऑटोमोबाइल उद्योग में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजना लागू की गई है.
- भारत में ऑटोमोबाइल उद्योग में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की अनुमति है.



# CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 के संदर्भ में सही है/हैं?

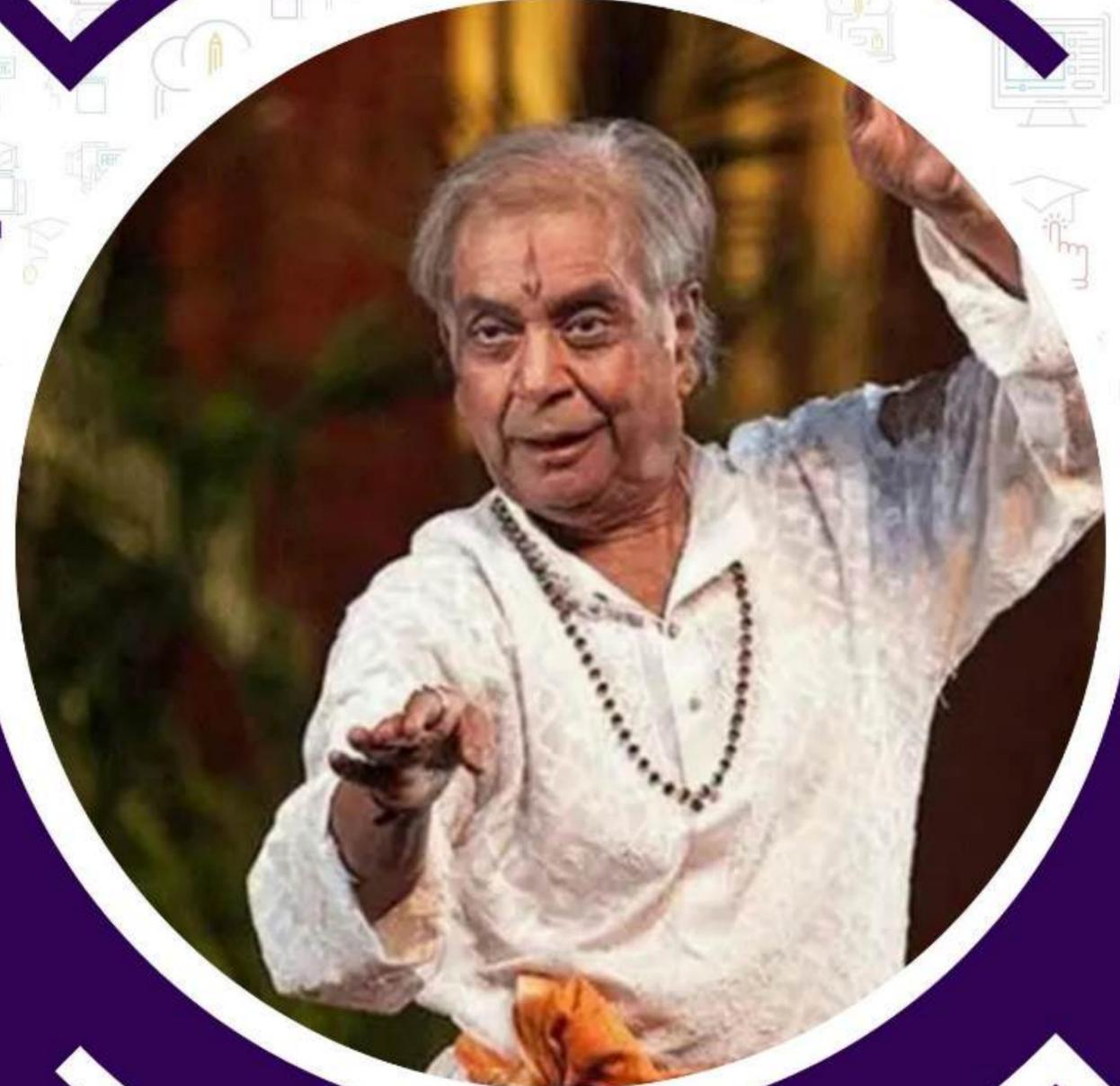
1. भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का उद्घाटन 17 जनवरी 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया।
2. यह आयोजन नई दिल्ली, द्वारका, और ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया जा रहा है।
3. भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग, बिक्री के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है।

कूट:

- (a) केवल 1 और 2 ✓✓
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3



# शास्त्रीय गायक, कथक सम्राट बिरजू महाराज :- चर्चा में





- ▶ पंडित बिरजू महाराज (4 फरवरी 1938 - 17 जनवरी 2022) भारत के प्रसिद्ध कथक नर्तक, संगीतकार और गायक थे। वे लखनऊ के कालका-बिंदादिन घराने के अग्रणी प्रतिनिधि थे।
- ▶ उनका जन्म कथक नर्तक जगन्नाथ महाराज (अच्छन महाराज) के परिवार में हुआ था, और उन्होंने अपने चाचा शंभू महाराज और लच्छू महाराज से प्रशिक्षण प्राप्त किया।





- ▶ पंडित बिरजू महाराज ने कथक नृत्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और इसे वैश्विक मंच पर पहचान दिलाई। उन्होंने कई फिल्मों में नृत्य निर्देशन किया और शास्त्रीय संगीत में भी योगदान दिया। उन्हें पद्म विभूषण सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।



पंडित बिरजू महाराज

- ▶ पंडित बिरजू महाराज का जन्म 4 फ़रवरी, 1938 को उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हुआ था.
- ▶ उनका असली नाम बृजमोहन नाथ मिश्रा था.
- ▶ वे कथक नृत्य के लखनऊ के कालिका-बिंदादीन घराने के प्रसिद्ध नर्तक थे.
- ▶ वे कथक नर्तकों के महाराज परिवार के वंशज थे.

परवाना  
कलाश्रम नाथ लै ह्युज  
मिथालय निधालय दोलम



पंडित बिरजू महाराज

- ▶ उन्हें 1986 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था.
- ▶ उन्होंने कई हिन्दी फ़िल्मों में नृत्य निर्देशन किया था.
- ▶ वे एक अच्छे गायक, कवि, और चित्रकार भी थे.
- ▶ उन्होंने कथक को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली में कलाश्रम नाम से नृत्य विद्यालय खोला था.



पंडित बिरजू महाराज

- ▶ उनका निधन 17 जनवरी, 2022 को हुआ था.
- ▶ बिरजू महाराज को बचपन से ही नृत्य में रुचि थी.
- ▶ जब वे तीन साल के थे, तब उनके पिता ने उन्हें दीक्षा देनी शुरू कर दी थी.
- ▶ वे तबला, पखावज, नाल, और सितार जैसे कई वाद्य यंत्रों पर भी माहिर थे.

## CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन पंडित बिरजू महाराज के बारे में सही है/हैं?

1. पंडित बिरजू महाराज का असली नाम बृजमोहन नाथ मिश्रा था।
2. वे कथक नृत्य के लखनऊ के कालका-बिंदादीन घराने के प्रमुख प्रतिनिधि थे।
3. पंडित बिरजू महाराज को 1986 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

कूट:

- (a) ~~केवल 2 और 3~~
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3



# चीन में घटती हुई जनसंख्या बड़ी समस्या





- ▶ चीन में जनसंख्या में लगातार गिरावट एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स के अनुसार, 2024 के अंत में चीन की जनसंख्या लगभग 1.408 अरब थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.9 लाख कम है।





- ▶ यह लगातार तीसरा वर्ष है जब चीन की जनसंख्या में कमी आई है। इस गिरावट के पीछे कई कारण हैं, जैसे महंगाई, रोजगार के अवसरों की कमी, और युवा पीढ़ी में विवाह और बच्चों के प्रति घटती रुचि। इसके अतिरिक्त, लंबे समय तक लागू रही एक-संतान नीति ने भी जनसंख्या घटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।



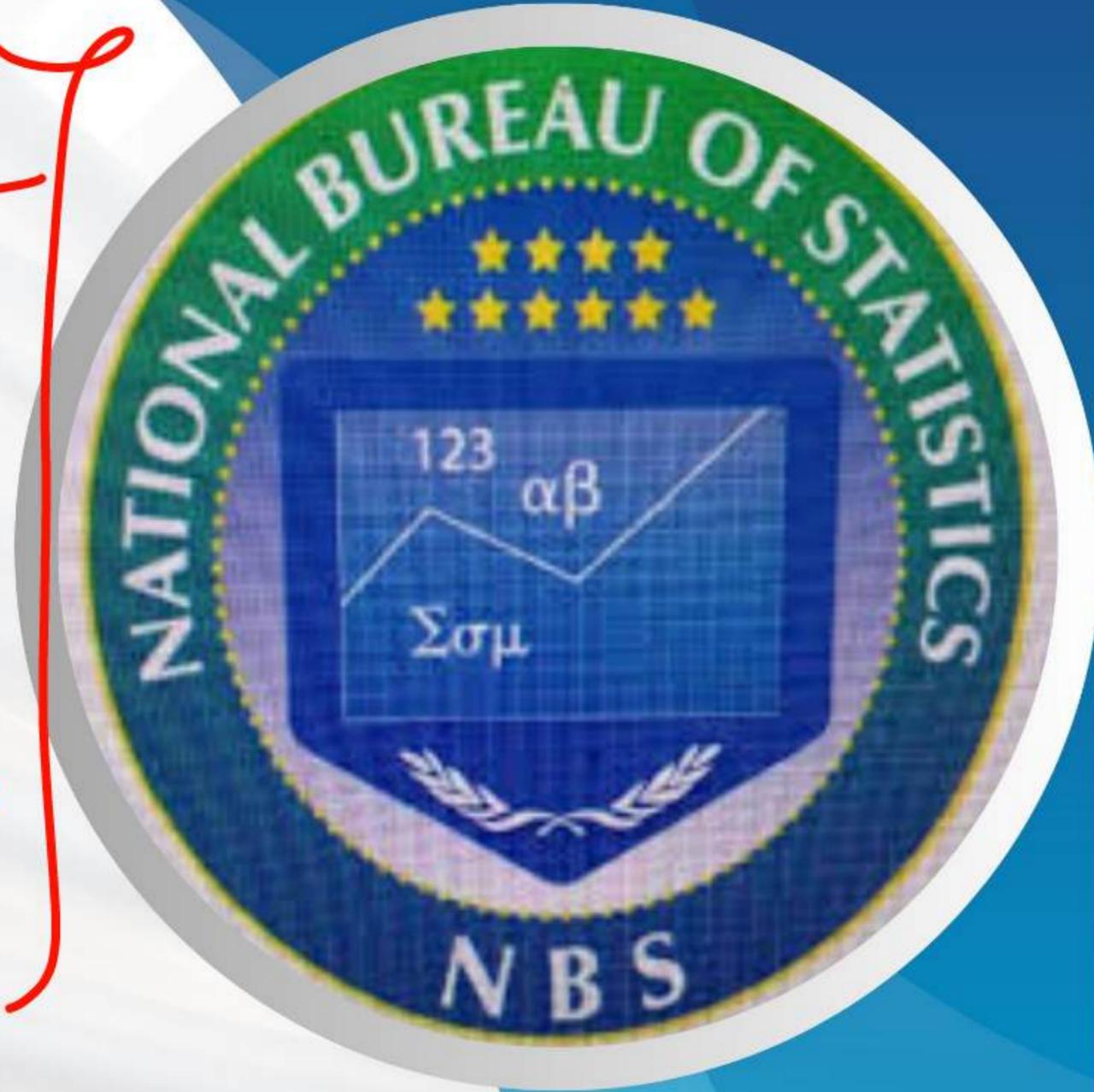
- ▶ जनसंख्या में इस निरंतर गिरावट से चीन की अर्थव्यवस्था और समाज पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।
- ▶ कामकाजी उम्र के लोगों की संख्या में कमी से उत्पादकता प्रभावित हो रही है, और वृद्ध जनसंख्या की बढ़ती संख्या से स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा पर दबाव बढ़ रहा है।
- ▶ 2035 तक चीन की जनसंख्या घटकर 1.36 अरब होने का अनुमान है, और 2100 तक यह अपने वर्तमान आकार से आधी हो सकती है।



- ▶ इस चुनौती का सामना करने के लिए, चीनी सरकार ने सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने का निर्णय लिया है। 2025 से पुरुषों की सेवानिवृत्ति आयु 63 वर्ष और महिलाओं की 58 वर्ष की जाएगी।
- ▶ चीन की घटती जनसंख्या न केवल देश के लिए, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी चिंता का विषय है, क्योंकि यह उत्पादन, उपभोग, और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर प्रभाव डाल सकती है।

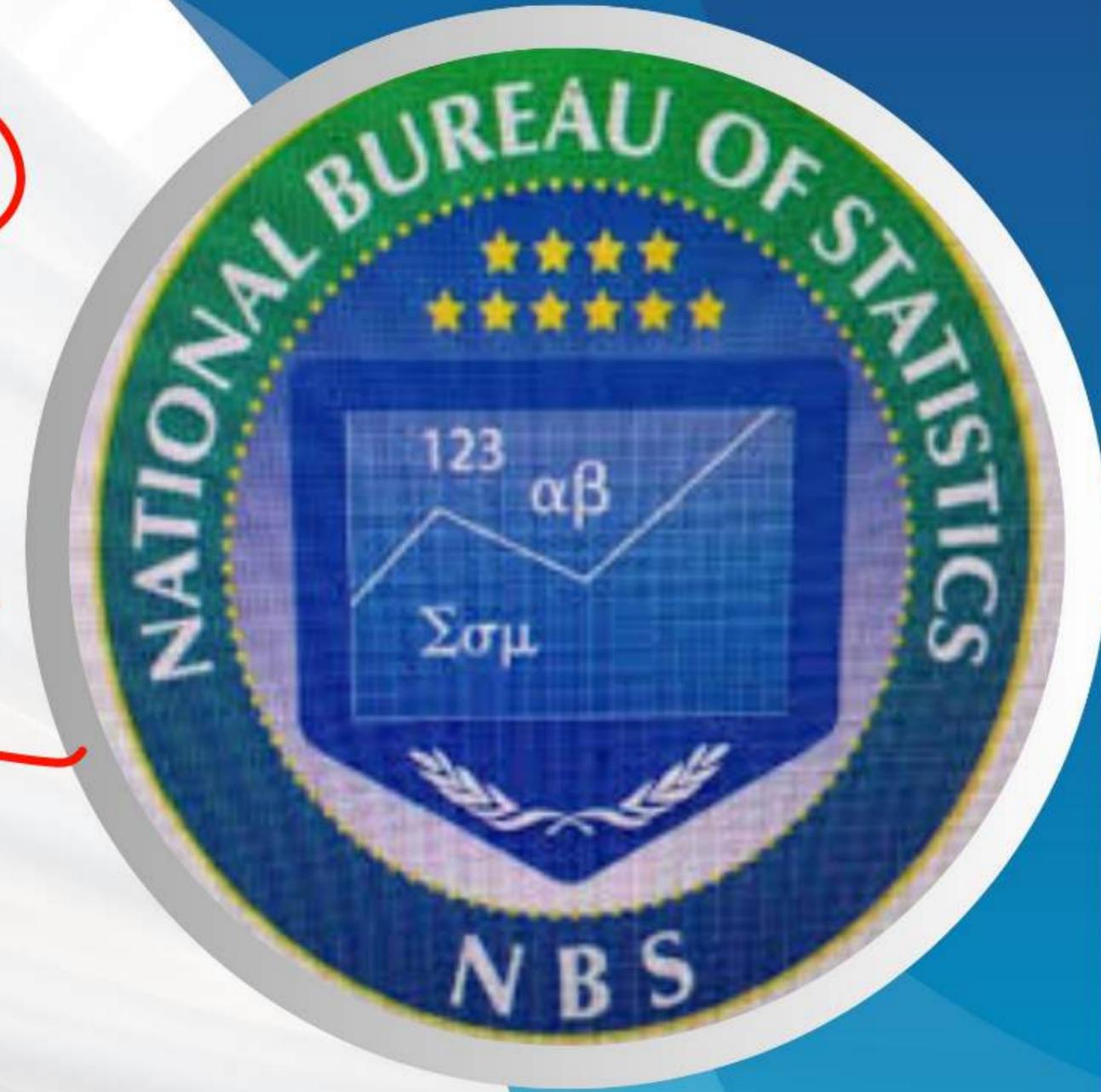
# नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स

- राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) एक संस्था है जो सांख्यिकीय आंकड़ों का संग्रह, प्रोसेसिंग, और प्रसारण करती है। यह सरकार, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, निजी क्षेत्र के संगठनों, और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों को डेटा मुहैया कराती है।
- भारत में सांख्यिकी से जुड़े कुछ और संगठन: राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (एनएससी), केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ), राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ)।



# राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो और इन संगठनों के काम

- राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो, सांख्यिकीय आंकड़ों का संग्रह, प्रोसेसिंग, और प्रसारण करता है.
- राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग, सांख्यिकीय मामलों में नीतियां तैयार करता है, प्राथमिकताएं तय करता है, और मानक तय करता है.
- केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय, देश में सांख्यिकीय प्रणाली के नियोजित विकास के लिए काम करता है.
- राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय, भारत का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण करने वाला सबसे बड़ा संगठन है.



# CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन चीन में घटती जनसंख्या और सांख्यिकीय संगठनों के बारे में सही है/हैं?

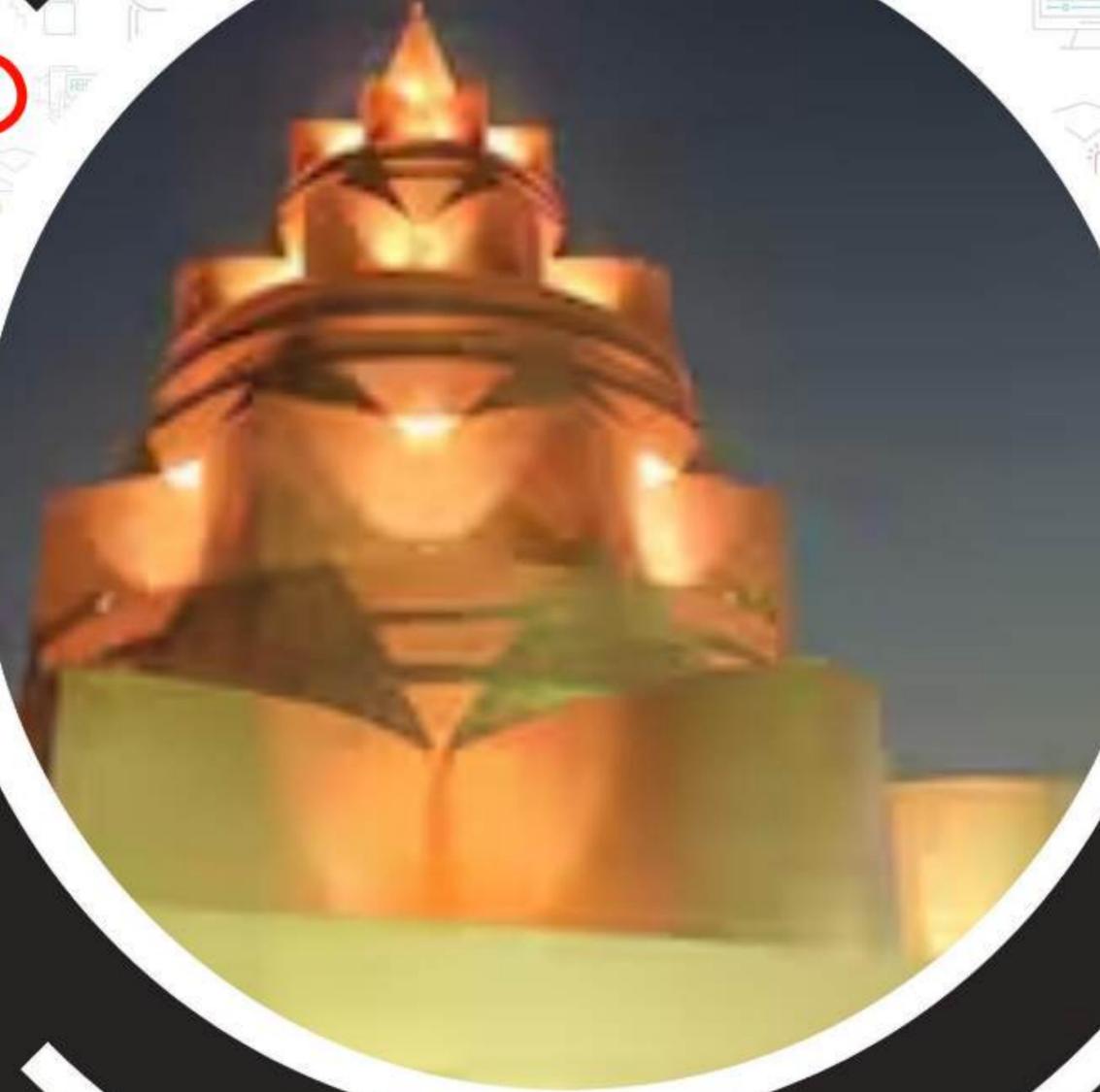
1. चीन की जनसंख्या 2024 के अंत में 1.408 अरब थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.9 लाख कम है।
2. चीन में लंबे समय तक लागू रही एक-संतान नीति जनसंख्या घटने का एक प्रमुख कारण है।
3. भारत का राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (NSC) सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण करने वाला सबसे बड़ा संगठन है।

कूट (Code):

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| (a) केवल 1 और 3 | (b) 1, 2 और 3   |
| (c) केवल 1 और 2 | (d) केवल 2 और 3 |



**महाकुंभ में स्थापित हुआ विश्व  
का सबसे बड़ा महामृत्युंजय यंत्र**





- ▶ प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ 2025 के अवसर पर विश्व का सबसे बड़ा महामृत्युंजय यंत्र स्थापित किया गया है। यह यंत्र मृत्यु, बीमारी और खतरों के डर को दूर करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।
- ▶ इस यंत्र का निर्माण 52 दिनों में पूरा हुआ, जिसकी लागत लगभग ₹4 करोड़ आई है। मकर संक्रांति (14 जनवरी, 2025) से 151 आचार्यों द्वारा इस यंत्र के माध्यम से विशेष अनुष्ठान प्रारंभ किए गए हैं।





- ▶ महामृत्युंजय यंत्र भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने और जीवन में सुरक्षा, स्वास्थ्य, दीर्घायु, और समृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण साधन माना जाता है।
- ▶ यह यंत्र विशेष रूप से महामृत्युंजय मंत्र से संबंधित है, जो जीवन की नकारात्मक ऊर्जाओं, बीमारियों, और अकाल मृत्यु के भय को दूर करने में सहायक माना जाता है।



### महामृत्युंजय यंत्र के लाभ:

- ▶ **सुरक्षा और स्वास्थ्य:** यह यंत्र नकारात्मक ऊर्जाओं, बीमारियों, और दुर्घटनाओं से सुरक्षा प्रदान करता है। यह शरीर की प्राकृतिक उपचार शक्तियों को बढ़ावा देकर समग्र स्वास्थ्य में सुधार करता है।
- ▶ **दीर्घायु और अमरत्व:** महामृत्युंजय यंत्र से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है, जिससे दीर्घायु और अमरत्व की प्राप्ति होती है।



### महामृत्युंजय यंत्र के लाभ:

- **भय और बाधाओं का निवारण:** यह यंत्र साहस को बढ़ाता है, भय को दूर करता है, और जीवन में आने वाली बाधाओं को पार करने में सहायता करता है।



### महामृत्युंजय यंत्र की स्थापना और पूजा विधि:

- ▶ **1. स्थान चयन:** यंत्र को घर, पूजा कक्ष, या कार्यालय में स्थापित करें। इसे घर या कार्यस्थल के मुख्य द्वार पर भी स्थापित किया जा सकता है।
- ▶ **2. समय:** सोमवार के दिन या श्रावण मास में इसकी स्थापना शुभ मानी जाती है।
- ▶ **3. सफाई:** प्रातःकाल स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें।



### महामृत्युंजय यंत्र की स्थापना और पूजा विधि:

- ▶ 4. पूजा सामग्री: यंत्र के सामने घी का दीपक जलाएं, चंदन, सफेद पुष्प, और सफेद भोग अर्पित करें।
- ▶ 5. अभिषेक: यंत्र का पंचामृत से अभिषेक करें।
- ▶ 6. मंत्र जाप: महामृत्युंजय मंत्र का 11 या 21 बार जाप करें:

"ॐ त्रयम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।  
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्॥"





### महामृत्युंजय यंत्र की स्थापना और पूजा विधि:

- ▶ **7. स्थापना:** पूजा के पश्चात यंत्र को यथास्थान स्थापित करें।
- ▶ **8. नियमित पूजा:** नियमित रूप से यंत्र की सफाई करें और इसकी पूजा करें ताकि इसका प्रभाव बना रहे।

महामृत्युंजय यंत्र को धारण करने या स्थापित करने से पूर्व किसी योग्य ज्योतिषी से परामर्श लेना उचित होता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह आपके लिए उपयुक्त है और इसका अधिकतम लाभ प्राप्त किया जा सके।

# महाकुंभ 2025



# महाकुंभ 2025

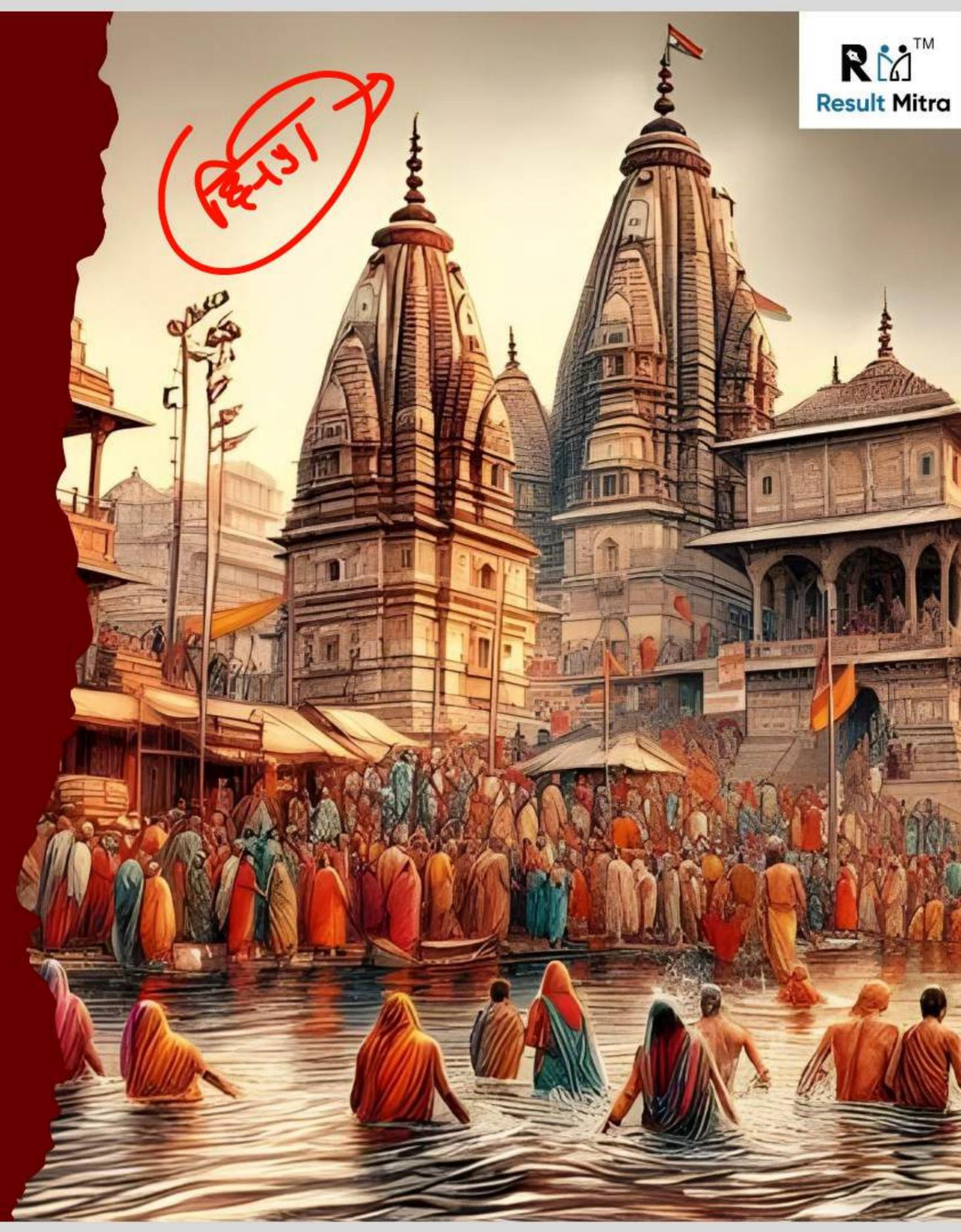
- महाकुंभ 2025 का आयोजन उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक किया जा रहा है।
- यह महाकुंभ 144 वर्षों में एक बार आयोजित होने वाला विशेष आयोजन है, जो 12 कुंभ मेलों के चक्र के पूर्ण होने का प्रतीक है।



# महाकुंभ 2025

महत्वपूर्ण तिथियाँ (शाही स्नान):

13 जनवरी 2025	पौष पूर्णिमा
14 जनवरी 2025	मकर संक्रांति
29 जनवरी 2025	मौनी अमावस्या
3 फरवरी 2025	वसंत पंचमी
12 फरवरी 2025	माघ पूर्णिमा
26 फरवरी 2025	महाशिवरात्रि



# महाकुंभ 2025

## स्वास्थ्य सेवाएँ

मेले के दौरान श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं:

- 407 डॉक्टर और 700 से अधिक पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती
- महिलाओं और बच्चों के लिए 24 घंटे विशेष चिकित्सा सेवाएँ
- 100 बिस्तरों वाला अस्थायी केंद्रीय अस्पताल की स्थापना



# महाकुंभ 2025

## स्वच्छता प्रबंध

मेले की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए:

- 150,000 शौचालयों और मूत्रालयों की स्थापना
- लगभग 10,000 सफाई कर्मियों की नियुक्ति
- QR कोड आधारित निगरानी प्रणाली का उपयोग

महाकुंभ 2025 में लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है, जो इसे विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन बनाता है।



# CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन महाकुंभ 2025 और महामृत्युंजय यंत्र के बारे में सही है/हैं?

1. महाकुंभ 2025 का आयोजन प्रयागराज में 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक किया जा रहा है।
2. महाकुंभ 2025 के अवसर पर 151 आचार्यों द्वारा विशेष अनुष्ठान के साथ विश्व का सबसे बड़ा महामृत्युंजय यंत्र स्थापित किया गया है।
3. महामृत्युंजय यंत्र का निर्माण 144 दिनों में पूरा हुआ, जिसकी लागत ₹4 करोड़ आई है।

कूट:

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| (a) केवल 1 और 3 | (b) केवल 2 और 3 |
| (c) 1, 2 और 3   | (d) केवल 1 और 2 |



# भारत के 2026 तक दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद





# भारत के 2026 तक दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद

- ▶ उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI) के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था के 2026 तक जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है।
- ▶ PHDCCI ने अनुमान लगाया है कि वित्त वर्ष 2024-25 में देश की सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वृद्धि दर 6.8% और वित्त वर्ष 2025-26 में 7.7% रहेगी।





# भारत के 2026 तक दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद

- ▶ PHDCCI के अध्यक्ष हेमंत जैन ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती से प्रगति की है, जिससे यह उम्मीद की जा रही है कि 2026 तक भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।



- ▶ इसके अतिरिक्त, उद्योग मंडल ने सुझाव दिया है कि आयकर की उच्चतम दर केवल 40 लाख रुपये से अधिक आय वाले व्यक्तियों पर लागू होनी चाहिए और आयकर छूट सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया जाना चाहिए, ताकि लोगों के हाथों में खर्च योग्य आय बढ़े और खपत को प्रोत्साहन मिले।



# भारत के 2026 तक दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद

- ▶ PHDCCI ने यह भी उम्मीद जताई है कि भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) अगले महीने अपनी मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत ब्याज दर में 0.25% की कटौती करेगा, जिससे खुदरा मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय कमी आने की संभावना है।
- ▶ इन आर्थिक संकेतकों के आधार पर, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि भारत 2026 तक दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, जो देश के आर्थिक विकास और वैश्विक मंच पर उसकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।

RBI

1934

अधिनियम

1935-2-11/17

मं. - मु. 18



### पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI)

- ▶ पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI) भारत का एक प्रमुख उद्योग मंडल है, जो पिछले 119 वर्षों से भारतीय उद्योग, व्यापार और उद्यमिता के संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।
- ▶ यह एक अग्रणी, सक्रिय और गतिशील पैन-इंडिया शीर्ष संगठन है, जो उद्योग और सरकार के साथ साझेदारी में कार्य करता है।





### पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI)

- ▶ PHDCCI का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है, और इसका अंतर्राष्ट्रीय कार्यालय बहरीन में है, जो 6 जीसीसी देशों के लिए कार्यरत है। इसके सदस्य आधार में लगभग 1,50,000 बड़ी, मध्यम और लघु उद्योग शामिल हैं।





## पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI)

### मुख्य उद्देश्य और कार्य:

- ▶ उद्योग संवर्धन: भारतीय उद्योग, व्यापार और उद्यमिता के संवर्धन के लिए कार्य करना।
- ▶ नीति समर्थन: उद्योग और सरकार के बीच सेतु का कार्य करते हुए नीतिगत समर्थन प्रदान करना।





## पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI)

### मुख्य उद्देश्य और कार्य:

- ▶ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: विदेशी दूतावासों और उच्चायोगों के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं और व्यापार अवसरों को बढ़ावा देना।



# CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन पीएचडी चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI) के बारे में सही है/हैं?

1. PHDCCI ने अनुमान लगाया है कि 2026 तक भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।
2. PHDCCI का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
3. PHDCCI केवल लघु उद्योगों से संबंधित है।

कूट:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) केवल 1, 2 और 3



*Thank You*